दैनिक न्याय साक्षी

छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

रायगढ़, सोमवार 20 दिसंबर 2021

www.nyaysakshi.com

महत्वपूर्ण एवं खास

किसानों को रबी के लिए अब तक 81 हजार 767 मीट्रिक टन खाद वितरित

रायपुर (आरएनएस)। किसानों को रबी फसलों के लिए विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण किया जारी है। इस साल रबी सीजन में अब तक किसानों को 81 हजार 767 मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक का वितरण किया जा चुका है, जिसमें 39 हजार 055 मीट्रिक टन यूरिया, 15 हजार 295 मीट्रिक टन डीएपी, 10 हजार 215 एनपीके, 6 हजार 461 मीट्रिक टन पोटाश, 10 हजार 741मीट्रिक टन सुपर फास्फेट उर्वरक का वितरण शामिल है। समितियों एवं निजी क्षेत्रों में अब तक 2 लाख 16 हजार मेट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण कराया जा चुका है, जो कि चालू रबी सीजन में 4 लाख 11 हजार मीट्रिक टन उर्वरक वितरण के लक्ष्य का 65 प्रतिशत है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी समितियों एवं निजी क्षेत्र में एक लाख 32 हजार 289 मीट्रिक टन भंडारित है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हाईवा चालक की मौत

कांकेर (आरएनएस)। कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हाइवा चालक की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि चालक गिट्टी डंप करने के बाद हाइवा की ट्रॉली को नीचे करना भूल गया। जिससे कुछ दूरी पर जाकर ट्रॉली हाईटेंशन तार की चपेट में आने से पूरी हाइवा में करंट फैल गया। करंट लगने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, दड़वी साल्हेभाट में सड़क निर्माण का काम चल रहा है। इसी सड़क निर्माण काम में रविवार को हाइवा 19 बीएच 6844 से चालक दीपक सरकार गिट्टी डंप कर रहा था। बताया जा रहा है कि कच्ची सड़क में गिट्टी डंप करने के बाद कुछ दूरी पर जाने से हाइवा हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई थी। जिससे पूरी हाइवा में करंट फैल गया था। करंट लगते ही चालक हाइवा से बाहर की तरफ उछल गया,और उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने ब्लैक जेक हुक्का बार में दबिश देकर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर के तारबाहर थाना क्षेत्र में कैफे की आड़ में हुक्का पिलाने का अवैध कारोबार बंद नहीं हो रहा है। 18 दिसंबर की रात पुलिस ने ब्लैक जेक हुक्का बार में दबिश दी। तब बाहर ताला लगा हुआ था। लेकिन, अंदर लाइट जल रही थी। पुलिस ने ताला खुलवाकर तलाशी ली तब अंदर चार युवक हुक्का गुड़गुड़ाते मिले। बार के दो कर्मचारियों के साथ ही हुक्का पीने वाले चार युवकों को पकड़कर पुलिस थाने ले आई। बाद में पकड़े गए चार युवकों को इसलिए छोड़ दिया गया। क्योंकि, पीने वालों पर अभी कार्रवाई करने का प्रावधान नहीं है। पुलिस ने दयालबंद निवासी हुक्का बार के कर्मचारी राहुल सोनी 20 वर्ष व गोकुल राव वानखेड़े 20 वर्ष के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

अवैध धान की तस्करी करते हुए एक पिकअप ड्राइवर 60 बोरी धान के साथ रंगे हाथ पकड़ाया

जशपुर (आरएनएस)। धान की अवैध तस्करी करते हुए एक पिकअप ड्राइवर को रंगे हाथ पकड़ लिया । पिक अप में 60 बोरी धान था । पिकअप को पकड़ने वाले ग्रामीणों का कहना है कि ड्राइवर ने उन्हें बताया कि धान कुदमुरा के उपसरपंच के घर ले जाया जा रहा था । ग्रामीणों के मूताबिक धान जशपुर के किसी विशाल गुप्ता का है । ग्रामीणों ने बताया कि वे हाथी को लेकर रतजगा कर रहे थे इसी दौरान उन्हें एक तेज रफ्तार में जाते हुए पिकअप दिख गया । जब उन्होंने पिक अप का पीछा किया तो वह भागने लगा और डोंदराही के पास उसे पकड़ लिया गया । तत्काल इसकी सूचना नारायणपुर पूलिस को दी गयी । 2 बजे रात में नारायणपुर पूलिस मौके पर पहुँच गयी । धान से लदी गाड़ी और डाईवर को पूलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

किसानों को पानी नहीं देने के फैसले के बाद रबी सीजन में बढ़ा दलहन

» तिलहन व अन्य फसलों का रकबा हुआ इस साल दोगुना

» 3564 हेक्टेयर में अभी तक किसानों ने लिया अन्य फसल, हेक्टयर बढ़ाने विभाग जुटा

» अभी तक 209 हेक्टेयर में ली गई है धान की फसल, लेकिन सिंचाई के लिए किसानों को नहीं मिलेगा नहर से पानी

महासमुंद (आरएनएस)। इस साल बारिश कम होने के कारण किसान जान गए हैं कि रबी सीजन में धान बोने से सिंचाई के लिए नहरों से पानी नहीं मिलेगा, इसलिए पहले से ही फसल परिवर्तन में कर लिया है। पिछले पांच सालों में पहली बार ऐसा हुआ है कि इस साल कृषि विभाग के द्वारा बिना प्रोत्साहित किए धान के गेंहू, मूंग, चना, दलहन, तिलहन व अन्य फसलों का रकबा दोगुना हो गया है। वर्तमान में धान बेचने के बाद किसान इन फसलों को ले रहे हैं। इस साल धान के अलावा अन्य फसलों का रकबा बढ़ेगा और धान का कम होगा। मजे की बात तो यह है कि इस साल अनुदान के बारे में किसानों को बताया भी नहीं है। कृषि विभाग के अधिकारी प्रभारी उप संचालक अमित मोहंती ने बताया कि रबी सीजन में इस साल धान का रकबा कम होगा, क्योंकि अन्य फसलों का रकबा शुरू से ही बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बारिश कम हुई है और सिंचाई के लिए इस बार नहरों के माध्यम से धान बोने वाले किसानों को पानी नहीं मिलेगा। इसके कारण किसान स्वयं फसल परिवर्तन कर रहे हैं। पिछले साल से आकड़ा दोगुना हो गया है।

पिछले साल 1500 हेक्टेयर में हुई थी गेंहू, दलहन व तिलहन की फसल– कृषि विभाग के आकड़ों पर यदि नजर डालेंगे तो पिछले तीन चार सालों में धान की फसल को छोड़कर दलहन, तिलहन, गेंहू, मक्का, मूंगफल्ली की फलस मा। 1000-1500 हेक्टयेर में होती थी। इस बार अभी से किसानों ने करीब 3565 हेक्टेयर में इन फसलों की बोआई कर ली है। वहीं इस बार किसानों को कृषि विभाग के द्वारा इन फसलों को लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाएगा। दिसंबर के बाद किसानों को धान की फसल नहीं लेने की सलाह दी जाएगी।

इस साल मिला है 38 हजार का लक्ष्य– 38 हजार हेक्टेयर में गेंहू, दलहन, तिलहन, मंगू, चना सहित अन्य फसलों को लगाने का लक्ष्य मिला है। लक्ष्य के अनुरूप विभाग किसानों को धान की फसल लेने से मना कर अनय फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बता दें कि हर साल 38 हजार हेक्टेयर में धान की फसल किसान लेते थे। इसमें ऐसे किसान शामिल है, जिनके पास सिंचाई के पर्याप्त साधन है और वे भी है, जो सिंचाई के भरोसे फसल लेते आ रहे हैं।

3564 हेक्टेयर में हो गई है खेती, बढ़ेगा रकबा– रबी सीजन की खेती किसानी का काम शुरू हो रहा है। जिले में रबी सीजन की खेती करने वाले किसानों ने इस फसल परिवर्तन के मुड़ में है। कृषि विभाग के आकड़ो के अनुसार इस बार गेंहू 1024 हेक्टेयर, मूंग 113 हे., दलहन 938 हे., चना 938 हे., तिलहन 495 हे., धान 206 हे. में किसानों ने फसल ले ली है।

सिंचाई के लिए नहीं मिलेगा कोडार व केशवा जलाशय से पानी– इस बार अधिकारियों की मानें तो कोडार व जलाशय से सिंचाई के लिए पानी नहीं दिया जाएगा, क्योंकि इसमें 17 प्रतिशत से कम पानी बचा हुआ है। इस पानी को ग्रीष्मकालीन में निस्तारी के लिए रखा गया है। कोडार परियोजना से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में कोडार जलाशय में 9 फी 7 इंच यानी 16 प्रतिशत ही पानी भरा हुआ है। वहीं केशवा में भी 16 प्रतिशत पानी है।

एक एकड़ धान की फसल लेने में जो पानी लगता है उतने ले सकते हैं 10 एकड़ में अन्य फसल– *एक एकड़ धान की सिंचाई में जितना पानी लगता है उतने पानी में मक्का की सात एकड़ व दलहन व तिलहन की करीब 10 एकड़ फसल ले सकते हैं। किसानों को रबी सीजन में धान को छोड़कर अन्य की फसल लेनी चाहिए, इससे खेत की मिट्टी भी अच्छी रहती है।*

–एसआर डोंगरे, रिटायर्ड कृषि उप संचालक

देर रात घर आने से नाराज भाई ने बहन को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। अंबिकापुर जिले के दरिमा क्षेत्र में महिला रजनी कुजूर की लाश खुन से लथपथ अवस्था में ग्राम सोहगा खर्रापारा में रोड़ किनारे पड़ी थी, तथा पास ही में मृतिका की स्कूटी पड़ी हुई थी। जिस पर प्रत्यक्ष दर्शियों द्वारा इस एक्सीडेन्टल डेथ होने की संभावना प्रकट किया गया था। पोस्टमार्टम के दौरान इसमें हत्या होने की संभावना नज़र आने पर मृतिका की माता से पुछताछ किया गया, जिससे उनके द्वारा अपने पुत्र केन्दा राम पर ही हत्या किये जाने का अंदेशा प्रकट किया गया।

जिसके बाद पुलिस ने केन्दाराम को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर आरोपी ने अपना गुनाह स्वीकार करते हुये बताया कि वह अपने बहन के देर रात आना जाना करने से नाराज रहता था तथा उसे इस कारण सामाजिक अपमान झेलना पड़ता था। इसके अतिरिक्त जमीन सम्बंधी बातों को लेकर भी आये दिन वह अपने बहन से झगड़ता था। घटना दिनांक को रात्रि 10 बजे के लगभग जब मृतिका अपने स्कूटी से घर आ रही थी तो आरोपी केन्दा राम उसे देख कर भड़क गया और पास रखे डंडा को उठाकर सिर तथा गले में प्राण घातक हमला कर मार दिया। घटना पर में अपराध कायम कर प्रकरण के आरोपी केन्दा राम को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

जल्द ही महिला समूहों के लिए विशेष घोषणा होने जा रही- ज्योत्सना

» सौर ऊर्जा संचालित कोल्ड स्टोरेज का नवापारा में सांसद ने किया उद्घाटन

कोरबा । लोकसभा क्षेत्र कोरबा की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने शनिवार को समारोह पूर्वक आयोजित कार्यक्रम में रामपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नवापारा में सोलर कोल्ड स्टोरेज का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सांसद ने उपस्थित महामाया बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित के कार्यकर्ताओं एवं महिला समूहों को उनके द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे कार्य के लिए बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी बहनें जो काम करती हैए उनके लिए मैं विशेष काम करने वाली हूं। इसकी घोषणा जल्द ही हो जाएगी। महिला स्व सहायता समूहों से कहा कि वे मन लगाकर काम करें। हमारी महिलाएं बहुत ही बेहतर कार्य कर रही हैं। सांसद ने कहा कि महिला समूहों को बेहतर मार्गदर्शन व सहयोग मिले तो वे आगे बढ़ जाती हैं और महिलाओं के लिए क्या अच्छे से अच्छा किया जा सकता हैए इसके लिए मेरे मन में सदैव विचार रहते हैं। इस मौके पर उपस्थित एनवायोरोनिक ट्रस्ट के दिल्ली से आए आर श्रीधर एवं नाबार्ड के जिला प्रबंधक संजीव प्रधान, गैर सरकारी संगठन सार्थक के सचिव लक्ष्मी चौहान, विधायक पुरूषोत्तम कंवर, मोहितराम केरकेट्टा, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई, श्रीमती उषा तिवारी की उपस्थिति में सांसद के द्वारा गांव की बच्ची के हाथ सोलर कोल्ड स्टोरेज का शुभारंभ कराया गया।

गौरतलब है कि ग्राम नवापारा में कार्यरत महामाया बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित को एनवायोरोनिक ट्रस्ट द्वारा प्रदत्त सोलर कोल्ड स्टोरेज प्रदान किया गया है। यह समिति आत्मनिर्भरता की एक मिसाल है जो सहयोगी संस्था.ग्राम बरतोरीए विकास शिक्षण समिति के साथ संचालित हो रही है। नाबार्ड योजनांतर्गत कृषक उत्पादक संघ के रूप में वर्ष 2015 से कार्यरत इस समिति में कुल 882 सदस्य हैं जो बहुतायत नाबार्ड के बाड़ी विकास कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं।

नौ हजार से अधिक किसानों का 68 करोड़ 30 लाख रूपए का धान खरीदा गया

» 20 दिसंबर के लिए एक हजार से अधिक किसानों ने कटाया टोकन, लगभग 42 हजार क्विंटल धान खरीदा जाएगा

कोरबा । धान खरीदी के महापर्व में कोरबा जिले में अब तक नौ हजार 076 किसानों का 68 करोड़ 30 लाख रूपए से अधिक का धान खरीदा जा चुका है। कोरबा जिले में 55 उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी एक दिसंबर से जारी है। जिले के किसानों से अब तक तीन लाख 52 हजार 060 क्विंटल धान सहकारी समितियों द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदा जा चुका है। कोरबा जिले में धान खरीदी को लेकर किसानों में अच्छा उत्साह है। नियमित रूप से किसानों के टोकन कटने, धान की तौलाई और भुगतान जैसी सुविधाओं से किसानों में अपनी मेहनत से उगाए धान को समितियों में बेचने का अलग उत्साह है। किसानों को अपना धान बेचने के लिए किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। इसके साथ ही तेजी से धान उठाव के लिए मिलर्स को डीओ भी जारी किए जा रहे हैं। किसी भी धान खरीदी केन्द्र में अभी तक जाम की कोई स्थिति नहीं है।

जिले के 55 धान खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की सभी व्यवस्थाओं से किसानों में धान बेचने के लिए खासा उत्साह है। जिले में 17 दिसंबर तक तीन लाख 52 हजार 060 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है। इसमें से तीन लाख 24 हजार 648 क्विंटल 40 किलो मोटा और 27 हजार 303 क्विंटल 60 किलो सरना और 108 क्विंटल 40 किलो पतला धान शामिल है। जिले में 20 दिसंबर को धान बेचने के लिए एक हजार 008 किसानों को टोकन जारी किए गए हैं। इन किसानों से लगभग 41 हजार 973 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी।

कोरबा जिले में अभी तक मिलरों द्वारा कुल खरीदे गए धान में से लगभग 41 प्रतिशत धान का उठाव कर लिया गया है। मिलर्स ने खरीदी केन्द्रों से एक लाख 43 हजार क्विंटल से अधिक धान उठा लिया है। जिला विपणन अधिकारी ने बताया कि जांजगीर जिले से धान उठाव की पांच लाख क्विंटल की लिमिट भी पूरी हो चुकी है। इसलिए कोरबा जिले के खरीदी केन्द्रों से धान उठाव के लिए लगातार डीओ जारी हो रहे हैं। कोरबा जिले की किसी भी समिति में धान जमाव की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि जिले के खरीदी केन्द्रों से एक लाख 30 हजार 954 क्विंटल 40 किलो मोटा और 12 हजार 138 क्विंटल सरना धान का उठाव मिलरों द्वारा कर लिया गया है। जिला विपणन अधिकारी ने बताया कि सभी समितियों में धान की शेष मात्रा निर्धारित बफर लिमिट के आसपास ही है और लगातार डीओ कटने से मिलरों को तत्काल गाड़ियां लगवाकर धान उठाव के लिए निर्देशित भी किया जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आया बाइक सवार हुई दर्दनाक मौत

भिलाई (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गया। लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल लेकर निकले लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी ट्रेलर चालक के खिलाफ धारा 304ए के तहत मामला दर्ज किया है। जामुल टीआई गौरव पाण्डेय ने बताया सुनील चतुर्वेदी पिता गुरुदास चतुर्वेदी (26 साल) घासीदास नगर, जामुल का रहने वाला है। 17 दिसंबर की दोपहर वह अपनी बाइक से डयूटी जा रहा था। करीबन 12.45 बजे के आसपास बीके कंपनी के सामने के मोड़ पर वह जैसे ही पहुंचा था कि तभी अचानक तेज रफ्तार में एक ट्रेलर सीजी 04 जेसी 2245 आ गया। ट्रेलर के चालक ने अपना संतुलन खो दिया और बाइक को टक्कर मार दिया। इस सड़क दुर्घटना में सुनील चतुर्वेदी कें सिर में गंभीर चोट आई और अधिक खून भी बह गया। जब उसे इलाज के लिए शासकीय अस्पताल सुपेला ले जा रहा था तो उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

आधी रात छात्रावास से भागी पहाड़ी कोरवा बालिकाएं

जशपुर (आरएनएस)। देश की संरक्षित जनजाति और राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाली पहाड़ी कोरवा की छात्राओं को मानसिक प्रताड़ना दिए जाने का मामला जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड से सामने आया है। पत्ताकेला आदिवासी छात्रावास की अधीक्षिका पर छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाया है और तंग आकर चार छात्राएं भागकर अपने घर आ पहुंची हैं। इस गंभीर मामले में सहायक आयुक्त ने जांच के निर्देश दिए जाने की बात कही है।

छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पहाड़ी कोरवाओं को देशभर में संरक्षित जनजाति माना गया है। राष्ट्रपति के इन दत्तक पुत्रों को संरक्षित रखने के लिए विभिन्न योजनाएं भी संचालित की जाती है, लेकिन आदिवासी बाहुल्य राज्य छत्तीसगढ़ में ही इस जनजाति की बालिकाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड से सामने आया है, जहां पर पर मानसिक प्रताड़ना की शिकार बालिकाएं छात्रावास से भागकर अपने घर आ पहुंची हैं।

छात्राओं के मुताबिक आदिवासी छात्रावास की अधीक्षिका पर गंभीर आरोप है। छात्राओं का कहना है कि तेल–साबुन जैसी बुनियादी जरुरतों के लिए अधीक्षिका उन्हें मानसिक तौर पर प्रताड़ित करती है। वहीं उन पर चोरी का आरोप भी लगाया जाता है।

इस मामले को लेकर छात्राओं के परिजनों ने आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त बीके राजपूत से शिकायत की हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सहायक आयुक्त ने जांच के निर्देश दिए जाने की बात कही ह।

छात्रावास से आधी रात यदि बच्चों को भागना पड़ा, रात दो बजे वे अपने घर पहुंची, इससे यह समझा जा सकता है कि बालिकाएं किस कदर प्रताड़ित हो रहीं थी। गनीमत है कि बालिकाएं सुरक्षित अपने घर पहुंच गई, लेकिन अनहोनी की शिकार हो जाती, तो जिम्मेदार कौन होता, यह अपने आप में बड़ा सवाल है।

युवा, बुजुर्ग, ग्रामीण-शहरी सभी लोगों से सरकार की योजनाओं को मिली प्रशंसा

» विकास प्रदर्शनी में दूसरे दिन भी मिली जनहितकारी योजनाओं की जानकारी

» जनसंपर्क विभाग के पत्र-पत्रिकाओं और जानकारी वाले पाम्प्लेट्स को भी सराहा

कोरबा । पिछले तीन सालों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केनेतृत्व में प्रदेश की जनता की बेहतरी के लिए किए गए कामों और संचालित योजनाओं-कार्यक्रमों को समाज के सभी वर्गों से भारी प्रशंसा मिली है। युवा हो या बुजुर्गए गांव के निवासी या शहरीए विकास प्रदर्शनी में पहुंचने वाले सभी लोगों ने शासन की योजनाओं की पूरी जानकारी ली है और उपलब्धियों पर संतुष्टि जताई है। छत्तीसगढ़ सरकार के तीन साल पूरे होने के अवसर पर कोरबा जिले में दो दिवसीय विकास प्रदर्शनी नगर निगम कार्यालय परिसर में लगाई गई। आज दूसरे दिन प्रदर्शनी में पहुंचे लोगों का विशेष ध्यान जिले में सरकार द्वारा बढ़ाई गई स्वास्थ्य सुविधाओं पर रहा। किसानों ने कर्जा माफीए राजीव गांधी न्याय योजनाए ग्रामीणों ने गोधन न्याय योजना तोए युवाओं ने सरकार द्वारा नौकरियों के लिए बढ़ाए गए अवसरों की सराहना की। विकास प्रदर्शनी में शासन की योजनाओं की जानकारी लेने पहुंचे कोरबा निवासी हेमंत कुमार ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी एक ही जगह में मिल जाने से किसान सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से वितरित किए जा रहे योजनाओं से संबंधित पाम्प्लेटए पुस्तक बहुत ही उपयोगी है इससे सभी योजनाओं की जानकारी आसानी से मिल रही है। शंकर पुरी और सुशील टंडन ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा के लिए शुरू किए गए आत्मानंद स्कूलों को राज्य की शिक्षा व्यवस्था में मील का पत्थर बताया। वार्ड क्रमांक 31 निवासी शंभुदास एवं हरिहर दास महंत ने हाफ बिजली बिल योजना को महंगाई के इस दौर में लोगों को राहत देने वाली योजना बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया को सभी का ख्याल है और वे सभी को ध्यान में रखकर अपने सरकार की योजनाएं बनाते हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुर्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य साथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU